



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—संख 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

६ 194]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 11, 1977/वैशाख 21, 1899

No. 194]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 11, 1977 VAISAKHA 21, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi the 11th May 1977

S.O. 324(E).—The following Order made by the Vice-President acting as President is published for general information:—

## ORDER

Whereas I, Basappa Danappa Jatti, Vice-President acting as President of India, have received a report from the Administrator of the Union territory of Mizoram and after considering the report, I am satisfied that a situation has arisen in which the administration of the Union territory of Mizoram cannot be carried on in accordance with the provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963) (hereinafter referred to as "the Act"),

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 51 of the Act and of all other powers enabling me in that behalf, I hereby—

(a) suspend, for a period of seven months from the date of this order, in relation to the said Union territory of Mizoram, the operation of the following provisions of the Act, namely,—

section 6,

in section 7, sub-sections (1), (3) and (4), clauses (b) and (c) of sub-section (2) and the first proviso to that sub-section, and so much of sub-section (5) as relates to the salaries and allowances of the Deputy Speaker;

(1903)

section 8 to 12 (both inclusive), sections 15 to 17 (both inclusive), section 22 and section 24,

so much of sub-section (1) of section 27 as requires the previous approval of the President and so much of clause (c) of sub-section (3) of the same section as relates to the salaries and allowances of the Deputy Speaker;

so much of sub-section (1) of section 30 as requires the previous approval of the President;

section 33, sub-section (2) of section 34 and section 36,

sections 44 and 45;

sub-section (1), and the following provision, namely, "whether taken on the advice of his Ministers or otherwise" in sub-section (2), of section 46; and

so much of section 50 as relates to the Council of Ministers, and

(b) make the following incidental and consequential provisions which appear to me to be necessary and expedient for administering the Union territory of Mizoram in accordance with the provisions of article 239 of the Constitution during the aforesaid period, namely—

(i) in relation to the said Union territory, unless the context otherwise requires, any reference in sections 23, 27, 28, 30 and 49 of the Act to the Administrator shall be construed as a reference to the President and any reference in sections 23, 27 to 31 (both inclusive), 48 and 49 to the Legislative Assembly of a Union territory by whatever form of words shall, in so far as it relates to the functions and powers thereof, be construed as a reference to Parliament,

(ii) in relation to the said Union territory, the reference to the Legislative Assembly of a Union territory in section 28 shall be construed as including a reference to Parliament

New Delhi,  
The 11th May, 1977.

B D JATI,  
Vice-President acting as President.

[No U-11012/7/77-UTL]

K R PRABHU, Addl Secy.

### पूर्ण मंत्रालय

### अधिसूचना

नई फ़िल्मी, 11 मई, 1977

का० आ० 324(च).—राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए उपराष्ट्रपति द्वारा जारी किया गया निम्नलिखित आदेश संवाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है —

### आदेश

यह, मुझे, भारत के राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए उपराष्ट्रपति बमण्डा दानप्पा जत्ती को, मिजोरम संघ राज्यक्षेत्र के प्रशासक से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है और उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् मेरा यह समाधान हो गया है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें मिजोरम संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासन, संघ राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) (जिसे इसके पश्चात् "अधिनियम" कहा गया है) के उपर्योग के अनुसार नहीं चलाया जा सकता;

अतः, अब, अधिनियम की धारा 51 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त मुक्ते समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हैं, मैं इस आदेश द्वारा—

(क) अधिनियम के निम्नलिखित उपबधों का प्रवर्तन, उक्त मिजोरम सध राज्यक्षेत्र के संबंध में इस आदेश की तारीख से मात्र मास की अवधि के लिए निर्मित करता है, अर्थात् —

धारा 6,

धारा 7 में, उपधारा (1), (3) और (4), उपधारा (2) के छाड़ (ख.) और (ग) और उस उपधारा का प्रथम पर्याकृत, और उपधारा (5) का उतना भाग जो उपाध्यक्ष के बेनन और भत्तों से संबंधित है;

धारा 8 में 12 (जिनमें दोनों धारा सम्मिलित है), धारा 15 में 17 (जिनमें दोनों धारा सम्मिलित है), धारा 22 और धारा 24;

धारा 27 की उपधारा (1) का उतना भाग जिसके लिए गण्डुपति के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होती है और उसी धारा की उपधारा (3) के छाड़ (ग) का उतना भाग जो उपाध्यक्ष के बेनन और भत्तों से संबंधित है,

धारा 30 की उपधारा (1) का उतना भाग जिसके लिए राष्ट्रपति के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होती है,

धारा 33, धारा 34 की उपधारा (2) और धारा 36;

धारा 44 और 45,

धारा 46 की, उपधारा (1) और उपधारा (2) में, निम्नलिखित उपबंध, अर्थात् “करा अपने मंत्रियों की मन्त्रालय पर या अन्यथा लिया गया”; और

धारा 50 का उतना भाग जो निम्नलिखित में संबंधित है,

(ख) निम्नलिखित आनुपगिक और पारिणामिक उपबंध बनाना हूँ जो मुक्ते पूर्वोक्त अवधि के दौरान मविधान के अनुच्छेद 239 के अनुसार मिजोरम संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासन करने के लिए आवश्यक और सभी वीन प्रतीत होते हैं, अर्थात् —

(i) जब तक मदर्भ से अन्यथा अवेक्षित न हो, उक्त सध राज्यक्षेत्र के संबंध में, अधिनियम की धारा 23, 27, 28, 30 और 49 में प्रशासक के प्रति किसी निर्देश का ग्रथ राष्ट्रपति के प्रति निर्देश लगाया जाएगा, और धारा 23, 27 से 31 (जिनमें दोनों धारा सम्मिलित है), 48 और 49 में किसी सध राज्यक्षेत्र की विधानमभा के प्रति किसी शब्दों में निर्देश का जहा तक उसका सबध उसके कृत्यों का और शक्तियों में है, अर्थ, सभी के प्रति निर्देश लगाया जाएगा;

(ii) उक्त सब राज्यसभे के संबंध में, धारा 26 में किसी सब राज्यसभे की विधान सभा के प्रति निर्देश का अर्थ यह लगाया जाएगा कि उसके अन्तर्गत समद के प्रा. निर्देश भी है।

नई दिल्ली,

11 मई, 1977

ब० द० जूती,

राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने वाले उपराष्ट्रपति।

[स० य०-11012 7 77-य० टी० एल०]

कै० आर० प्रभृ,

अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977